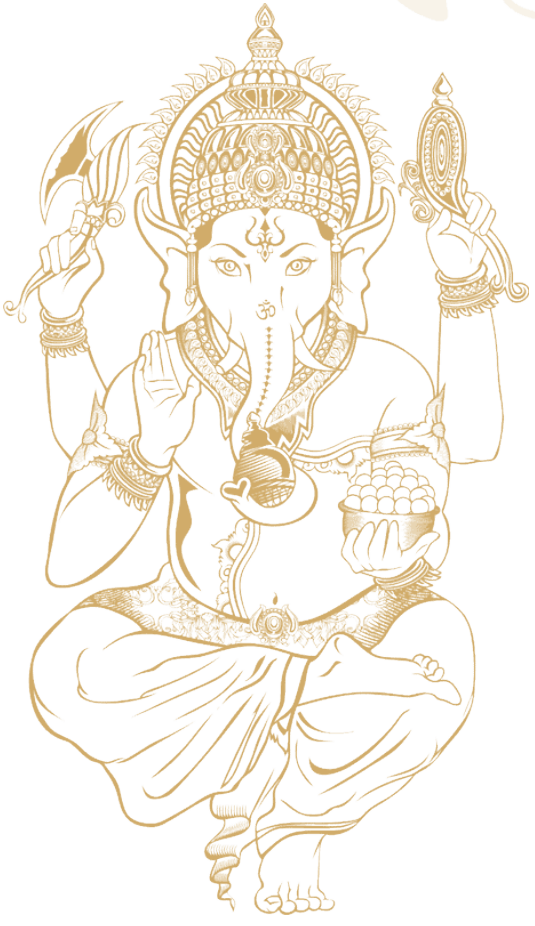

Sahil Chawala

Krishma Bhatia

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121871501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121871501 Date: 08/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/02/1991	जन्म तिथि	16/09/1991
मंगल-बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 00:55:00	जन्म समय	17:10:00 घंटे
घटी 44:13:58	जन्म समय(घटी)	27:27:14 घटी
India	देश	India
Pathankot	स्थान	Amritsar
32:16:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
75:43:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:08	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:13:24	सूर्योदय	06:14:27
18:10:38	सूर्यास्त	18:35:41
23:44:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:45

तुला	लग्न	कुम्भ
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	मूल
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	2
व्यतिपात	योग	आयुष्मान
विष्टि	करण	बालव
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	मानव
नकुल	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मृग

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 11मा 16दि		26:20:48	तुला	लग्न	कुंभ	00:18:39	केतु 4वर्ष 0मा 28दि	
राहु		29:50:27	मक	सूर्य	सिंह	29:22:18	चन्द्र	
29/01/2009		07:51:46	मक	चंद्र	धनु	05:33:59	14/10/2021	
30/01/2027		13:12:59	वृष	मंगल	कन्या	16:06:54	15/10/2031	
राहु	12/10/2011	17:03:44	मक	बुध	सिंह	15:04:23	चन्द्र	14/08/2022
गुरु	07/03/2014	12:55:29	कर्क व	गुरु	सिंह	07:08:57	मंगल	15/03/2023
शनि	11/01/2017	24:25:46	कुंभ	शुक्र	कर्क	27:26:50	राहु	13/09/2024
बुध	31/07/2019	06:57:01	मक	शनि व	मक	06:43:55	गुरु	13/01/2026
केतु	18/08/2020	03:07:49	मक व	राहु व	धनु	21:42:04	शनि	15/08/2027
शुक्र	18/08/2023	03:07:49	कर्क व	केतु व	मिथु	21:42:04	बुध	13/01/2029
सूर्य	12/07/2024	18:23:32	धनु	हर्ष व	धनु	16:05:35	केतु	14/08/2029
चन्द्र	11/01/2026	21:55:09	धनु	नेप व	धनु	20:16:07	शुक्र	15/04/2031
मंगल	30/01/2027	26:36:51	तुला	प्लूटो	तुला	24:29:47	सूर्य	15/10/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

23:44:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:45

लग्न-चलित

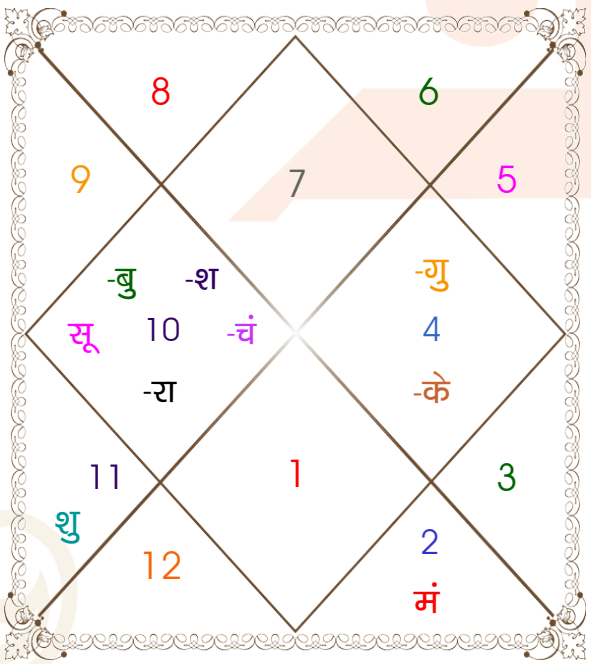

लग्न-चलित

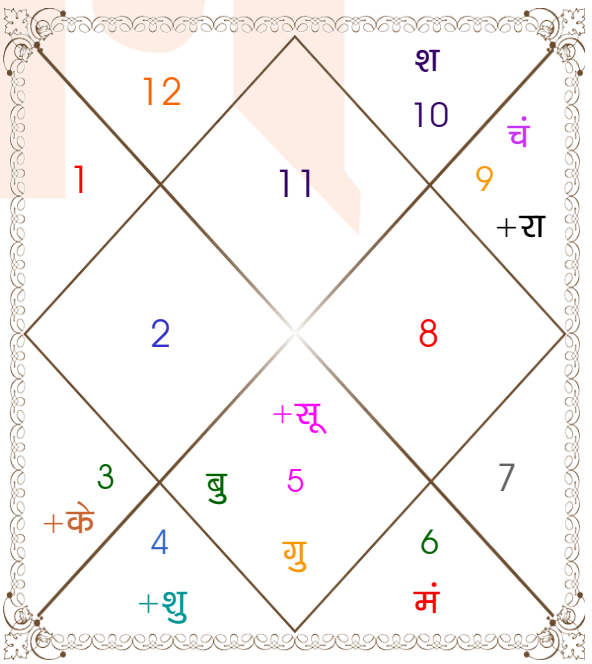

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

कुल : **15.5 / 36**

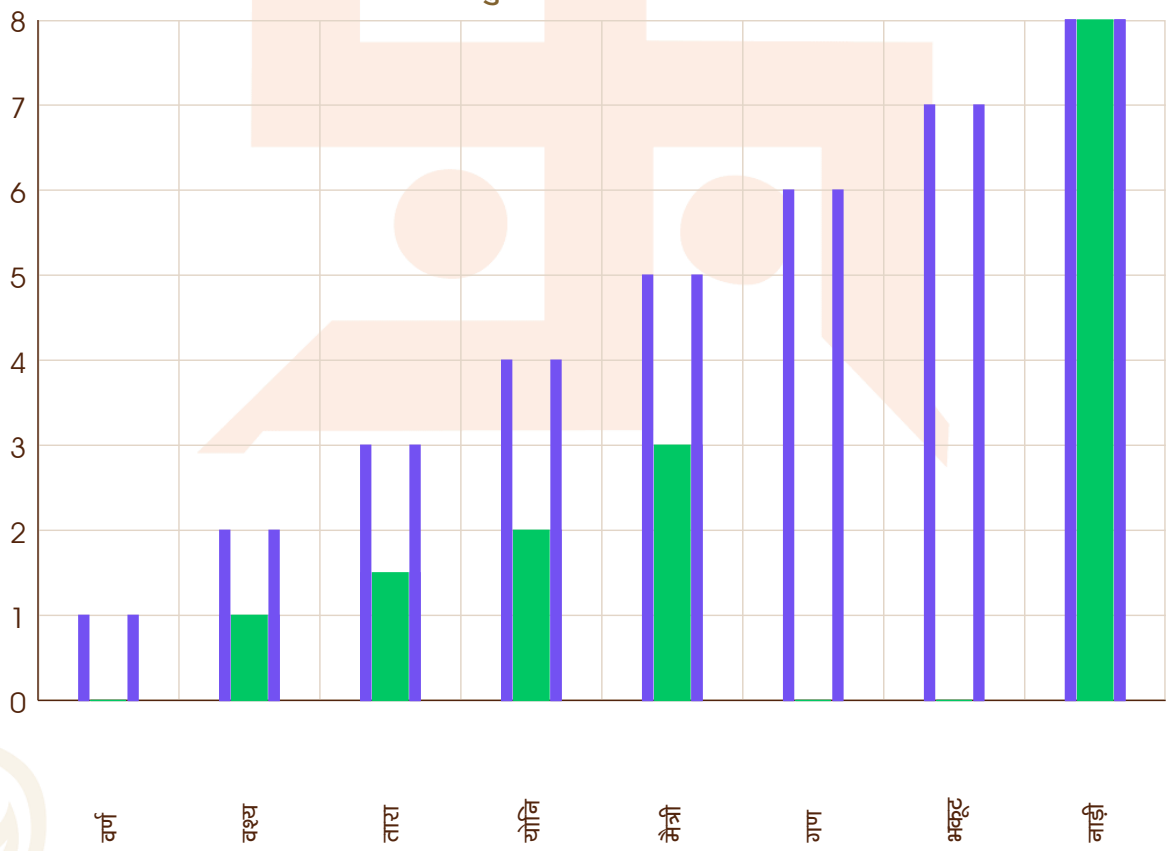

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ौपस बूँसं का वर्ग सिंह है तथा Krishma Bhatia का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपस बूँसं और Krishma Bhatia का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपस बूँसं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Krishma Bhatia मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ौपस बूँसं तथा Krishma Bhatia में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौपस बूँसं का वर्ण वैश्य है तथा Krishma Bhatia का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Krishma Bhatia का वर्णौपस बूँसं के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Krishma Bhatia अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Krishma Bhatia को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

ौपस बूँसं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Krishma Bhatia का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकारौपस बूँसं एवं Krishma Bhatia एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Krishma Bhatia क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

ौपस बूँसं की तारा विपत तथा Krishma Bhatia की तारा मित्र है।ौपस बूँसं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है।ौपस बूँसं एवं ौपस बूँसं के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Krishma Bhatia हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Krishma Bhatia को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

ौपस बूँसं की योनि नकुल है तथा Krishma Bhatia की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौपस बूँसं एवं Krishma Bhatia दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

ौपस बूँसं का गण मनुष्य तथा Krishma Bhatia का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Krishma Bhatia का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण ौपस बूँसं एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

ौपस बूँसं से Krishma Bhatia की राशि द्वादश भाव में स्थित है Krishma Bhatia से ौपस बूँसं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में ौपस बूँसं परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Krishma Bhatia का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Krishma Bhatia की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Krishma Bhatia तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति

द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

ौपस बूँसं की नाड़ी अन्त्य है तथा Krishma Bhatia की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। ौपस बूँसं की अन्त्य नाड़ी तथा Krishma Bhatia की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ौपस बूँसं की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Krishma Bhatia की राशि अग्नितत्व युक्त धनुराशि है। पृथ्वी एवं अग्नि में नैसिर्गक विषमता होने के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन परेशानी से युक्त रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

ौपस बूँसं की राशि का स्वामी शनि तथा Krishma Bhatia की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतःौपस बूँसं और Krishma Bhatia दोनों के वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने को तत्पर रहेंगे। ये दोनों परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सतमित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होगी।

ौपस बूँसं और Krishma Bhatia की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में स्थित हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभफलों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग के स्थान पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव उत्पन होगा जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में भी न्यूनता रहेगी तथा सुखद क्षणों का अभाव रहेगा। यदिौपस बूँसं और Krishma Bhatia बुद्धिमता एवं सामंजस्य से काम ले तो इनमें किंचित शुभता आ सकती है।

ौपस बूँसं का वश्य चतुष्पद है तथा Krishma Bhatia का वश्य मानव है। मानव तथा चतुष्पद वश्य में आपस में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से ौपस बूँसं और Krishma Bhatia की अभिरूचियों मे अन्तर होगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानताएँ रहेंगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे ।

ौपस बूँसं का वर्ण वैश्य तथा Krishma Bhatia का वर्ण क्षत्रिय है। अतःौपस बूँसं की प्रवृति धनार्जन में होगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Krishma Bhatia प्रायः परिश्रमी कार्यो को संपन्न करेगी फलतः कार्यक्षेत्र में असमानता के कारण यदा कदा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

धन

ौपस बूँसं और Krishma Bhatia दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे।ौपस बूँसं और Krishma Bhatia दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश

भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से ौपस बूँसं की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापिौपस बूँसं को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

ौपस बूँसं अन्त्य तथा Krishma Bhatia आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल काौपस बूँसं और Krishma Bhatia दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से Krishma Bhatia गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ हीौपस बूँसं को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिएौपस बूँसं और Krishma Bhatia दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि सेौपस बूँसं और Krishma Bhatia का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Krishma Bhatia के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Krishma Bhatia को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ौपस बूँसं और Krishma Bhatia बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतःौपस बूँसं और Krishma Bhatia का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Krishma Bhatia के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Krishma Bhatia को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Krishma Bhatia को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Krishma Bhatia के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से Krishma Bhatia सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

ौपस बूँसं के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदिौपस बूँसं तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप सेौपस बूँसं के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।